



# COMMUNITY SERVICE





गृह मंत्रालय  
MINISTRY OF  
HOME AFFAIRS



# सांख्यिक सेवा



## Building bonds: Justice through harmonising communities

### ◆Introduction of Community Service

The introduction of community service for minor offences marks a groundbreaking approach in India's legal system. This involves the completion of unpaid work within a given timeframe as a form of reparative sanction, which correlates the nature of the service to the offence committed. It fosters a sense of responsibility in the offender and lightens the load on the prison system, in line with the concepts of resocialisation and restorative justice.

Community service can benefit various groups in need, including children, the elderly, people with disabilities, and language learners. Additionally, it can be used to provide help to animals in shelters or can contribute to the improvement of public places such as local parks, historic sites, scenic areas, and more.



## ‘समुदायों की सेवा करना: सामुदायिक सद्भाव के माध्यम से न्याय!’

### ♦ सामुदायिक सेवा का परिचय

भारतीय कानून के इतिहास में छोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा की शुरुआत एक क्रांतिकारी कदम है। सामुदायिक सेवा में एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर अवैतनिक कार्य का निष्पादन शामिल होता है, जो एक क्षतिपूर्ति मंजूरी के रूप में होता है। यह सेवा की प्रकृति को स्वीकृत किए जाने वाले अपराध से जोड़ता है। यह अपराधी को उनके कार्यों के लिए जिम्मेदारी प्रदान करता है और कारावास की व्यवस्था पर बोझ को कम करता है, जो पुनर्समाजीकरण और पुनर्स्थापनात्मक न्याय के दर्शन के अनुरूप है।

सामुदायिक सेवा जरूरतमंद लोगों के किसी भी समूह की मदद कर सकती है। मसलन, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक, विकलांग लोग, भाषा सीखने वाले आदि। यह आश्रय स्थलों पर जानवरों की भी मदद कर सकती है। इसका उपयोग स्थानीय पार्क, ऐतिहासिक इमारतें, दर्शनीय क्षेत्र आदि स्थानों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।





## **Community service for offences under the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) 2023**

- ◆ Involvement of public servants in illegal trade (Section 202).
- ◆ Non-appearance in response to a proclamation (Section 209).
- ◆ Attempt to commit suicide to influence legal authority (Section 226).
- ◆ First conviction of petty theft involving property valued below ₹5,000. (Section 303 (2).
- ◆ Public misconduct by a drunken person (Section 355).
- ◆ Defamation [Section 356(2)].



## भारतीय न्याय संहिता के अनुसार अपराध सामुदायिक सेवा के लिए पात्र:

1. अवैध व्यापार में लोक सेवकों की संलिप्तता-धारा 202 .
2. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023- धारा 209 की धारा 84 के तहत एक उद्धोषणा के जवाब में गैर-उपस्थिति।
3. वैध शक्ति के प्रयोग को मजबूर करने या रोकने के लिए आत्महत्या करने का प्रयास- धारा 226।
4. 5000 रुपये से कम के अपराध के लिए संपत्ति की चोरी की पहली सजा - धारा 303(2) .
5. शराबी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान पर दुराचार - धारा 355 .
6. मानहानि- धारा 356(2) आदि

